

втори урок

B.02.01. Text

ΚΥΡΟΥ ΑΝΑΒΑΣΕΩΣ Α

книга първа от Анабазиса на Кир

ὁ μὲν οὖν* πρεσβύτερος παρῶν ἐτύγγανε**
Κῦρον δὲ μεταπέμπεται ἀπὸ τῆς ἀρχῆς ἧς*** αὐτὸν σατράπην
ἐποίησε, καὶ στρατηγὸν δὲ αὐτὸν ἀπέδειξε πάντων ὅσοι**** ἐς
Καστωλοῦ πεδῖον ἀθροίζονται. ἀναβαίνει οὖν ὁ Κῦρος λαβὼν
Τισσαφέρνην ὡς φίλον, καὶ τῶν Ἑλλήνων ἔχων ὀπίστας
ἀνέβη τριακοσίους****, ἄρχοντα δὲ αὐτῶν Ξενίαν Παρράσιον.

* и тъй , прочее, разбира се ; ** случи присъствувайки т.е. случайно беше ,
присъстуваше; *** на която (област); **** , колкото; ***** 300

B.02.02. речник

σατράπης ου ὁ
ὀπίστας ου ὁ
στρατηγός ὁ генерал
(командуващ армия)
πεδῖον το равнина
Καστωλοῦ .Καστολско
поле т.е. на с.Κασтол
τυγγάνω τινος
улучвам засягам
поразявам някого +
прич случвам да ,
ἐτύγγανον ἔτυχον
παρ-εἰμι при-състwuвам

ἀπ-εἰμι от-
μετα-πέμπω пращам след (някого)извиквам
πέμπομαι извиквам (при себе си)
ποιέω ἐποίουν ἐποίησα правя
ἀπο-δείκ-νυμι ἀπέδεικνυν ἀπέδειξα
посочвам назначавам
ἀθροίζω събирам (на едно място)
ἀναβαίνω ἀνέβαινον
ἀν-έβη – аор. - потеглям (нагоре т.е. от брега
към вътрешността)
ἀρχων οντος ο архонт
Ἑλλην ηνος ο елин

местоимение
несклоняеми:
предлог,
наречие,
съюз